

(४) यत्पुनरुक्तं श्रवणात्पराचीनयोर्मननिदिध्यासनमोर्दर्शनोद्विधि शोषत्वं ब्रह्मणो न स्वरूपपर्यवसाभित्वमिति । न, अवगत्यर्थत्वान्मननिदिध्यासनयोः यदिहपवगतं ब्रह्मान्मत्रविनि युज्यते । भो तदा विधिशीषत्वम् । न तुं तदस्मि, मननदिध्यासनयोरपि श्रवणवदगतार्थत्वात् । तस्मान् प्रतिपतिविधिविषमतया शास्त्रप्रमाणकत्वं ब्राह्मणः संभवतीत्मतः स्वतन्त्रमेव ब्रह्मशास्त्रप्रमाणकं वेदान्तवाक्य समन्वयादिति सिद्धम् ।

- | | | |
|------------------|-------------------------------------------------------------------------|----|
| २ | आदि शंकराचार्यना जिवन पर विस्तृत नोंध लभो. | १४ |
| 2 | Write a detailed note on the life of Adishankaracharya. | 14 |
| अथवा / OR | | |
| २ | ब्रह्मसूत्रमां यतुःसूत्रीना स्थान अने महत्वनी यर्या करो. | १४ |
| 2 | Discuss the place and importance of Chatu Sutri in area of Brahmasutra. | 14 |
| ३ | नीयेनामांथी कोईपण अेक विषे विवेचनात्मक नोंध लभो : | १४ |
| 3 | Write critical note on any one of the following : | 14 |
| | (१) साधनचतुष्टयम् । | |
| | (२) षड्भावविकाराः । | |
| ४ | शांकरभाष्य अनुसार 'जन्माद्यस्य यतः' सूत्रने समझावो. | १४ |
| 4 | Explain 'जन्माद्यस्य यतः' sutra as per शांकरभाष्यम् | 14 |
| अथवा / OR | | |
| ४ | वेदांतदर्शनना मुष्य आचार्योना दार्शनिक मतो दर्शावो. | १४ |
| 4 | Write Philosophical ideas of main Acharyas of Vedanta Darshan. | 14 |
| ५ | नीयेनामांथी कोईपण अे विषे नोंध लभो : | १४ |
| 5 | Write notes on any two of the following : | 14 |
| | (१) समन्वयाधिकरणम् । | |
| | (२) शङ्कराचार्यस्य भाष्यलेखन शैली । | |
| | (३) जिज्ञासाधिकरणम् । | |
| | (४) ब्रह्मात्मैकत्वविज्ञानं सम्पुद्रुपम् । | |